

बेहतरीन ज़िंदगी का नुस्खा

ज़बूर 34

मैं हमेशा अल्लाह ताअला का शुक्रगुजार रहूँगा;
मैं कभी भी उसकी हम्द-ओ-सना करना बंद नहीं करूँगा।⁽¹⁾

मैं उसकी नेमतों का शुक्रिया अदा करता हूँ;
दुआ करता हूँ कि जो जुल्म के शिकार हैं इसको सुन कर खुश हो जाएं!⁽²⁾

आओ मेरे साथ अल्लाह ताअला की अज़मत का ऐलान करें;
आओ हम सब उसके नाम की तारीफ़ करें।⁽³⁾

मैंने अल्लाह ताअला की इबादत करी और उसने मेरी दुआओं को सुना;
उसने मुझे हर डर से आज़ाद कर दिया।⁽⁴⁾

मुसीबत के सताए हुए उस से ही मदद माँगें और खुश हो जाएंगे;
और वो कभी शर्मिदा नहीं होंगे।⁽⁵⁾

लाचार उसे ही पुकारते हैं और वो उनकी पुकार को सुन लेता है;
वो उनको हर परेशानी से निजात दिलाता है।⁽⁶⁾

उसके फ़रिश्ते उन लोगों की हिफ़ाज़त करते हैं जो उसकी इज़्ज़त करते हैं;
और वो उनको हर ख़तरे से बचाता है।⁽⁷⁾

तुम खुद ही बताओ कि अल्लाह ताअला कितना अच्छा है।
वो लोग खुशनसीब हैं कि जिनको उसकी पनाह मिली।⁽⁸⁾

ए अल्लाह के बन्दों, उस रब की इज़्ज़त करो।
उसका कहना मानने वालों की हर ज़रूरत पूरी होती है;⁽⁹⁾
यहाँ तक कि शेर भी खाने की कमी से भूखा हो जाता है,
लेकिन जो भी अल्लाह ताअला पर ईमान रखता है उसको कभी नेमतों की कमी नहीं होती।⁽¹⁰⁾

ए मेरे नौजवान दोस्तों, यहाँ आओ, मेरी बात सुनो,
और मैं तुमको सिखाऊँगा कि अल्लाह ताअला की इज़्ज़त कैसे करनी चाहिए।⁽¹¹⁾

क्या तुम एक बेहतरीन ज़िंदगी जीना चाहते हो?
क्या तुमको लम्बी उम्र और खुशियाँ चाहिए?⁽¹²⁾
तो फिर ग़लत बोलने से परहेज़ करो,
झूट बोलने से बचो।⁽¹³⁾
बुराई से मुँह मोड़ लो और नेक काम करो;
सुकून हासिल करने के लिए दिल-ओ-जान से लग जाओ।⁽¹⁴⁾

अल्लाह ताअला नेक लोगों की देखभाल करता है
और उनकी पुकार को सुनता है;⁽¹⁵⁾
लेकिन अल्लाह ताअला ग़लत काम करने वालों के खिलाफ़ हो जाता है,
और उनके मरने के बाद दुनिया उन्हें भुला देती है।⁽¹⁶⁾

अल्लाह ताअला नेक लोगों की पुकार को सुनता है;
और वो उन्हें हर मुसीबत से निजात देता है।⁽¹⁷⁾

अल्लाह ताअला उनके करीब है जिनके हौसले पस्त हो चुके हैं;
वो उनको बचाता है जिन्होंने उम्मीद का दामन छोड़ दिया है।⁽¹⁸⁾

अच्छे लोग बहुत परेशानियों का सामना करते हैं;
लेकिन अल्लाह रब्बुल करीम उन्हें निजात देता है।⁽¹⁹⁾

अल्लाह ताअला उनकी पूरी तरह से हिफ़ाज़त करता है;
और उनको ज़रा भी नुक़सान नहीं उठाना पड़ता।⁽²⁰⁾

बुराई बेईमान लोगों को ख़त्म कर देगी;

नेक लोगों से नफ़रत करने वालों को सज़ा मिलेगी।⁽²¹⁾

अल्लाह ताअला अपने लोगों को बचा लेगा;
जो भी उसकी पनाह में जाएगा, वो महफूज़ हो जाएगा।⁽²²⁾